राजर्षि शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर

हिंदी विभाग

हिंदी पाठ्यक्रम (ऐच्छिक)
CBCS पैटर्न

बी.ए. तृतीय वर्ष

शैक्षिक वर्ष – जून २०१९-२० से

हिंदी विभागाध्यक्ष

डॉ. पल्लवी भूदेव पाटील

राजर्षी शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर

बी.ए. तृतीय-हिंदी (ऐच्छिक) **सत्र : पंचम्**

पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र IX : भाषा विज्ञान तथा विविध विमर्श (Course Code -U-HIN-504)

कुल अंक : ७५ **कुल तासिकाएँ : ५४**

उद्देश्य :

१. हिंदी भाषा की भाषावैज्ञानिक स्वरूप को समझाना।
२. हिदी भाषा के व्याकरणिक कोटियों को समझाना।
३. भाषाएँ शुद्धता एवं कुशलता के माध्यम से रोजगार बढ़ाना।
४. हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालना।
५. साहित्य में स्थित वर्तमान विभिन्न विमर्शों से अवगत कराना।

अध्यापन पद्धति :

१. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
३. पी.पी.टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग कराना।
४. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान।

इकाई	पाठ्यक्रम	अपेक्षित तासिकाएँ
१	**स्वर तथा व्यंजन :** सामान्य परिचय	०६
२	**अर्थ विज्ञान :** क) अर्थ की परिभाषा एवं स्वरूप ख) अर्थ की अवधारणा ग) शब्द और अर्थ का संबंध घ) अर्थ परिवर्तन के कारण च) अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ	१८
३	**हिंदी की ऐतिहासिक पृष्टभूमि :** क) वैदिक संस्कृत ख) लौकिक संस्कृत ग) प्रथम प्राकृत 'पालि' घ) द्वितीय प्राकृत 'साहित्यिक प्राकृत' च) तृतीय प्राकृत 'अपभ्रंश' छ) आधुनिक आर्य भाषाओं का वर्गीकरण	१२
४	**हिंदी का भाषिक स्वरूप :** क) उपसर्ग की परिभाषा एवं स्वरूप एवं प्रकार ख) प्रत्यय की परिभाषा एवं स्वरूप एवं प्रकार ग) लिंग का सामान्य परिचय तथा लिंग परिवर्तन के कारण घ) कारक की परिभाषा एवं कारकों का प्रयोगात्मक स्वरूप	१२
५	**देवनागरी लिपि :** क) देवनागरी लिपि का नामकरण ख) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता	०६

संदर्भ सूची :

१. भाषा विज्ञान की संरचना - डॉ. भोलानाथ तिवारी

२. भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

३. भाषा तथा भाषा विज्ञान - डॉ. तेजपाल चौधरी

४. भाषा विज्ञान तथा हिंदी भाषा - लक्ष्मीकांत पांडेय

५. सामान्य भाषाविज्ञान - डॉ. बाबुराम सक्सेना

६. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. धीरेंद्र शर्मा

७. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास - डॉ. उदयनारायण तिवारी

८. नागरी लिपि और उसकी विशेषताएँ - डॉ. नरेश मिश्र

राजर्षी शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर

बी.ए. तृतीय-हिंदी (ऐच्छिक) **सत्र : छठा**

पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र XII : भाषा विज्ञान तथा विविध विमर्श (Course Code -U-HIN-604)

कुल अंक : ७५ **कुल तासिकाएँ : ५२**

इकाई	पाठ्यक्रम	अपेक्षित तासिकाएँ
१	**उपन्यास :** **पचपन खंबे लाल दिवारें** - उषा प्रियंवदा	२०
२	स्त्री-विमर्श स्वरूप और संवेदना (उपरोक्त उपन्यास के संदर्भ में)	०६
३	**उपन्यास :** **जंगल जहाँ शुरु होता है** - संजीव	२०
४	आदिवासी विमर्श स्वरूप और संवेदना (उपरोक्त उपन्यास के संदर्भ में)	०६

संदर्भ सूची :

१. पचपन खंबे लाल दिवारें - उषा प्रियंवदा
२. जंगल जहाँ शुरु होता है - संजीव
३. बाजार के बीच बाजार के खिलाफ - प्रभा खेतान
४. साठोत्तरी के पश्चात स्त्री लेखिकाओं की कहानियों में व्यक्त स्त्री समस्या - डॉ. विजया वारद
५. आदिवासी साहित्य यात्रा - रमणिका गुप्ता
६. आदिवासी शौर्य एवं विद्रोह - रमणिका गुप्ता

राजर्षी शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर

बी.ए. तृतीय-हिंदी (ऐच्छिक) **सत्र : पंचम्**

पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र X: भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र (Course Code -U-HIN-505)

कुल अंक : ७५ **कुल तासिकाएँ : ५२**

उद्देश्य :

१. भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय देना।
२. भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम से परिचित कराना।
३. छात्रों को साहित्यशास्त्रीय चिंतन से परिचित कराना।
४. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन द्वारा छात्रों में आलोचनात्मक दृष्टि विकसित करना।
५. छात्रों को प्लेटो और अरस्तु के काव्यशास्त्रीय दृष्टिकोन को समझाना।

अध्यापन पद्धति :

१. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
३. पी.पी.टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग कराना।
४. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान।

इकाई	पाठ्यक्रम	अपेक्षित तासिकाएँ
१	**काव्य :** क) काव्य हेतु ख) काव्य प्रयोजन	१२
२	**रस सिद्धांत :** क) रस का स्वरूप (रससूत्र) ख) रस के अंग	१०
३	**अलंकार सिद्धांत :** क) अलंकार की परिभाषा एवं स्वरूप ख) अलंकार का वर्गीकरण	१०
४	**अलंकारों के लक्षण :** अनुप्रास, यमक, वक्रोक्ति, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा और विरोधाभास आदि। (स्पष्टीकरण एवं उदाहरण के साथ)	१०
५	**रीति सिद्धांत :** क) रीति का अर्थ ख) विविध आचार्यों के रीति संबंधी मत	१०

राजर्षी शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर

बी.ए. तृतीय-हिंदी (ऐच्छिक) **सत्र : छठा**

पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र X: भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र (Course Code -U-HIN-605)

कुल अंक : ७५ **कुल तासिकाएँ : ५२**

इकाई	पाठ्यक्रम	अपेक्षित तासिकाएँ
१	**रीति सिद्धांत :** क) रीति के प्रकार ख) रीति के गुण ग) रीति की शैली	१५
२	**वक्रोक्ति सिद्धांत :** क) वक्रोक्ति का अर्थ, ऐतिहासिक परंपरा/विकास ख) वक्रोक्ति के भेद	१२
३	**औचित्य सिध्दांत :** क) औचित्य की ऐतिहासिक परंपरा/विकास ख) औचित्य के भेद	१०
४	**प्लेटो और अरस्तु :** क) प्लेटो का काव्य सिद्धांत ख) अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत	१५

संदर्भ ग्रंथ :

१. काव्यशास्त्र - डॉ. भगीरथ मिश्र
२. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. तारकानाथ बाली
३. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास सिध्दांत और वाद - डॉ. भगीरथ मिश्र
४. काव्यशास्त्र विमर्श - कृष्णानारायण प्रसाद 'मागध'
५. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. तारकानाथ बाली
६. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत - डॉ. गणपतीचंद्र गुप्त

राजर्षी शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर

बी.ए. तृतीय-हिंदी (ऐच्छिक) **सत्र : पंचम्**

पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र XI: प्रयोजनमूलक हिंदी (Course Code -U-HIN-506)

कुल अंक : ७५ **कुल तासिकाएँ : ५२**

उद्देश्य :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी के स्वरूप का परिचय देना।
२. छात्रों को हिंदी में कम्प्यूटर के प्रयोग की विधि से अवगत कराना।
३. अन्य भाषा से हिंदी भाषा में अनुवाद की क्षमता विकसित कराना।
४. पारिभाषिक शब्दावली के माध्यम से प्रयोजनमूलक हिंदी से परिचित कराना।
५. पत्राचार के विविध प्रकारों की जानकारी देना।
६. विज्ञापन की प्रविधि समझाकर उसके व्यावहारिक ज्ञान के वृद्धिगंत करना।

अध्यापन पद्धति :

१. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
२. संगोष्ठी, स्वाध्याय तथा गुटचर्चा।
३. पी.पी.टी./भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग कराना।
४. अतिथि विशेषज्ञों के व्याख्यान।

इकाई	पाठ्यक्रम	अपेक्षित तासिकाएँ
१	**प्रयोजनमूलक हिंदी :** क) परिभाषा ख) प्रयोजनमूलक हिंदी का स्वरूप	१२
२	**कम्प्यूटर और हिंदी :** क) कम्प्यूटर का सामान्य परिचय तथा उपयोगिता ख) वेबसाईट के प्रकार ग) इंटरनेट घ) ई-मेल च) युनिकोड	१५
३	**पटकथा लेखन :** क) पटकथा का अर्थ ख) पटकथा लेखन ग) पटकथा के उदाहरण	१३
४	**विज्ञापन :** क) परिभाषा एवं विशेषताएँ ख) विज्ञापन की प्रक्रिया/प्रविधि ग) विज्ञापन के प्रकार	१२

राजर्षी शाहू महाविद्यालय (स्वायत्त), लातूर

बी.ए. तृतीय-हिंदी (ऐच्छिक) **सत्र : छठा**

पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र XIV: प्रयोजनमूलक हिंदी (Course Code -U-HIN-606)

कुल अंक : ७५ **कुल तासिकाएँ : ५२**

इकाई	पाठ्यक्रम	अपेक्षित तासिकाएँ
१	**पत्रलेखन :** क) आवेदन पत्र ख) सरकारी पत्र ग) व्यावसायिक पत्र	१२
२	**अनुवाद :** क) परिभाषा ख) अनुवाद का स्वरूप एवं प्रक्रिया ग) अनुवाद के गुण	१५
३	**जनसंचार माध्यमों का सामान्य परिचय :** क) मुद्रित जनसंचार माध्यम ख) श्रव्य जनसंचार माध्यम ग) दृश्य-श्रव्य जनसंचार माध्यम	१३
४	**पारिभाषिक शब्दवली :** क) परिभाषा एवं विशेषताएँ ख) विभिन्न क्षेत्रों से चयनित ३० पारिभाषिक शब्दवली	१२

संदर्भ ग्रंथसूची :

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : - विनोद गोदरे

२. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे

३. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा-रूप - डॉ. माधव सोनटक्के

४. अनुवाद : सिद्धांत और रूपरेखा - डॉ. सूरेश कुमार

५. मीडिया लेखन - रमेशचंद्र त्रिपाठी